(c) The existing Central Investment Subsidy Scheme covers the rural areas of Centrally declared industrially backward districts.

Increase in the prices of soft drinks

903. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what were the prices of different varieties of soft drinks during the last year;

(b) whether it is a fact that during the current financial year the prices of soft drinks have increased;

(c) if so, the range of the price increase and the reasons for the same; and

(d) what steps are being taken to control the prices of soft drinks ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) The retail price per bottle of soft drink at Delhi was around Rs. 2. 00 last year.

(b) Yes, Sir.

(c) The price increase was around 50 paise per bottle in Delhi. The manufacturers have attributed the increase in prices to the increase in excise duty and higher input costs.

(d) There is no statutory control on the prices of soft drinks. Soft drink industry is one of the industries coveted by de-licensing scheme introduced by the Government in March, 1985 and it is anticipated that with the possible creation of additional capacity, normal market forces will operate to the advantage of the consumer.

एच. एम. टी. घड़ियां

904. **श्री राधा किशन मालवीय** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच. एम. टी. घड़ियों की मांग की तुलना में उनका उत्पादन कम या अधिक है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान घड़ियों की मांग तथा उत्पादन का ब्यौरा क्या है और एच. एम. टी घड़ियों के उत्पादन के संबंध में सरकार की नीति क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) एच. एम. टी. की घड़ियों का उत्पादन घड़ियों की अनुमानित मांग से कम है ।

(ख) एच. एम. टी. के अनुमानों के अनुसार इनकी घड़ियों की मांग पिछले तीन वर्षों के दौरान 11 से 13 मिलियन घड़ियां प्रतिवर्ष थी ।

एच. एम. टी. घड़ियों का पिछले तीन वर्षों का उत्पादन निम्नलिखित है

	(संख्या लाख में)
1984-85	44·10
1985-86	45·34
1986-87	50·00

एच. एम. टी. घड़ियों का उत्पादन 1988-89 तक 61·8 लाख घड़ियां प्रतिवर्ष तक बढ़ाने की योजना है ।

राजस्थान की ऊर्जा आवश्यकता

905. **श्री भंवर लाल पंवार** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष सूखे के परिणामस्वरूप राजस्थान की ऊर्जा आवश्यकता की मांग को सरकार द्वारा ऊर्जा के किन-किन वैकल्पिक साधनों से पूरा किए जाने का विचार है;

(ख) इस संबंध में राजस्थान की वर्तमान आवश्यकता कितनी है और वहां ऊर्जा की आवश्यकता और पूर्ति में कितना अन्तर है; और

(ग) कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र को अलग-अलग कितने प्रतिशत ऊर्जा कटौती का वहन करना पड़ेगा ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) इस वर्ष सूखे की स्थिति के कारण राजस्थान की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार से विभिन्न उपाय करने का